REPORT ON GLOBAL PRIDE DAY CELEBRATION BY M. D. K. G. COLLEGE, DIBRUGARH

On the occasion of Global Pride Day on 28th June, 2021, MDKG College Student's Union Society in collaboration with Department of English of MDKG College has taken the initiative to celebrate this day by organising a webinar with Dr. Mukul Kumar Sarma. He is the HoD and Associate Professor, Department of English at Bapujee college, Sarukshetri, Assam. He is also an activist, columnist, writer, poet, researcher and experiential counsellor on LGBTQ+ issues.The talk of the webinar dealswith "Need of Gender and Sexuality Education in Assam".

The event started at 10 am via online platform. Dr.Nibedita Phukan, Principal of MDKG College inaugurates the programcoordinated by Bornali Nath Dowerah, Assistant Professorof English, MDKG College, and also PhD researcher on queer young adult literature from Dibrugarh University. Dr. Rizia Begum Laskar, Assistant Professor, Department of English, MDKG college hosted the event and monitored the technical issues. The interactive session with students enlivened the celebration as observed by the audience. The entire event was live on Facebook. Moreover, the recorded version will be available soon on YouTube channel and website of the college.

Professor Sarma, in an outspoken manner, enlightened about his coming out of the closet and shared about his contributions in the field of gender and sexuality within Assam. He has highlighted about the lack of awareness in the society and the requirement of counselling for LGBTQ+ youths to come out. He also spoke about his literary pursuits from a queer perspective in his poetry published in Assam Tribune and his articles. Besides, he has openly talked about other eminent Assamese activists like Milin Dutta, Mayuri Deka and such others who are actively engaged in spreading awareness among the student fraternity at a national as well as state basis. Both students and other participants have highly benefitted from his influential words.

The event concludes with a vote of thanks by the President of MDKG College Students Union Society, Ms. Poritporna Bora. As the first in history of Assam this celebration has set a benchmark for other institutions for heralding awareness of gender and sexuality among the students and teaching fraternities considering LGBTQ+ community not as the other but as a beckon for inclusiveness on the Global Pride Day in a formal set-up.

বিধায়কৰ প্ৰতিনিধিবৰ্গই উপায়ুক্তক লগ দিয়ে।

নেদেখাজনৰ ওচৰত হয়াৰ বাবে প্ৰাৰ্থনা জনালোঁ।

মনোহাৰী দেৱী মহিলা মহাবিদ্যালয়ৰ উদ্যোগত ৱেবিনাৰ

ষ্টাফ ৰিপৰ্টাৰ, ৩০ জুন ঃ মনোহাৰী দেৱী কানৈ মহিলা মহাবিদ্যালয় ছাত্ৰী একতা সভাৰ উদ্যোগত আৰু ইংৰাজী বিভাগৰ সহযোগত যোৱা ২৮ জুনত এখনি ৱেবিনাৰ অনুষ্ঠিত কৰা হয়। 'অসমত লিংগ আৰু যৌন শিক্ষাৰ প্ৰয়োজনীয়তা' শীৰ্ষক ৱেবিনাৰখনত সমল ব্যক্তি হিচাপে অংশ গ্ৰহণ কৰে সৰুক্ষেত্ৰীৰ বাপুজী কলেজৰ ইংৰাজী বিভাগৰ সহযোগী অধ্যাপক ড° মুকুল শৰ্মাই। অধ্যাপক শৰ্মাই বিষয়টোৰ সন্দৰ্ভত বিতং আলোচনা আগবঢ়োৱাৰ লগতে সমাজত সজাগতা সৃষ্টিত গুৰুত্ব আৰোপ কৰে। মনোহাৰী দেৱী কানৈ মহিলা মহাবিদ্যালয়ৰ ইংৰাজী বিভাগৰ সহযোগী অধ্যাপক ড° ৰিজিনা বেগমে আঁত ধৰা ৱেবিনাৰখন উদ্বোধন কৰে মহাবিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষা ড° নিবেদিতা ফুকনে। আনহাতে, সমগ্ৰ অনুষ্ঠানটোত সমন্বয়কৰ ভূমিকা পালন কৰে সহযোগী অধ্যাপিকা বৰ্ণালী নাথ দুৱৰাই।

सेक्स शिक्षा की आवश्यकता पर वेबिनार का आयोजन

▲ विशेष संवाददाता

डिब्रूगढ़, 29 जून । समलैंगिकों, जिसे आम बोलचाल की भाषा में एलजीबीटी क्यूयानी लेस्बियिन, गे बाइसेक्सुअल और ट्रांसजेंडर कहते हैं जैसे विषयों पर भारतीय समाज अब भी खुलकर बोलने से परहेज करता है। 21वीं शताब्दी में समाज में खुलेपन को आवश्यक बताते हुए युवा पीढ़ी एवं समाज को मुखर होकर आगे आने की जरूरत है। यह बात बापूजी कॉलेज, सरुक्षेत्री में अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष और एसोसिएट प्रोफेसर डा. मुकुल कुमार शर्मा ने 'असम में लिंग और सेक्स शिक्षा की आवश्यकता' विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में कही। 28 जून को वैश्विक गौरव दिवस के अवसर पर, डिब्रूगढ़ स्थित एमडीकेजी कॉलेज छात्र संघ सोसायटी ने एमडीकेजी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के सहयोग से डा. मुकुल कुमार शर्मा के साथ वेबिनार आयोजित कर इस दिन को मनाने की पहल की है। वे एक स्तंभकार, लेखक, कवि, शोधकर्ता और अनुभवी सलाहकार भी हैं।

राज्य में संस्थागत स्तर पर औपचारिक रूप से एक इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करना अनोखी पहल है। मनोहरी देवी कनोई बालिका महाविद्यालय, डिब्रूगढ़ ने इस कार्यक्रम का संचालन कर अपने विचारों को खुलापन प्रदान किया है। एमडीकेजी कॉलेज की प्राचार्य डा. निबेदिता फूकन ने एमडीकेजी कॉलेज के अंग्रेजी के सहायक प्रोफेसर बर्नाली नाथ दुवारा, जो डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय से क्वीर युवा वयस्क साहित्य पर पीएचडी शोधकर्ता भी है ने समन्वित रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डा. रिजिया बेगम लस्कर, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, एमडीकेजी कॉलेज ने कार्यक्रम की मेजबानी की और तकनीकी मुद्दों की निगरानी की। पूरा कार्यक्रम फेसबुक पर लाइव था। इसके अलावा, रिकॉर्ड किया गया संस्करण जल्द ही कॉलेज के यूट्यूब चैनल और वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रोफेसर शर्मा ने अपने अंदाज में मुखर तरीके से अपने कोठरी से बाहर आने के बारे में बताया और असम के भीतर लिंग और कामुकता के क्षेत्र में उनके योगदान के बारे में बताया। उन्होंने समाज में जागरूकता की कमी को दूर करने तथा युवाओं को बाहर आने के लिए परामर्श की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम ट्रिब्यून में प्रकाशित अपनी कविता और अपने लेखों में अपनी साहित्यिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बात की। इसके अलावा, उन्होंने मिलिन दत्त, मयूरी डेका जैसे अन्य प्रख्यात असमिया कार्यकर्ताओं और ऐसे अन्य लोगों के बारे में खुलकर बात की जो राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर छात्र बिरादरी के बीच जागरूकता फैलाने में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। कार्यक्रम का समापन एमडीकेजी कॉलेज स्टूडेंट्स यूनियन सोसाइटी की अध्यक्ष पोरितपोर्ना बोरा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।